आजीविका

आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित
स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना
(विशेष परियोजना)

गरीबी रेखा के नीचे युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

संस्करण 3 - जून 2012

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना, बुंदेलखंड के बीपीएल बेरोजगारों के लिए उज्जवल भविष्य योजना

आरोह मुख्यालय पर रोजगार कैम्प का आयोजन

जालौन जिले में स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत रिटेल में एक माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त लाभार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए 16 जून को नोएडा स्थित आरोह फाउंडेशन मुख्यालय पर प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। जहां पर फ्यूचर वैल्यू रिटेल लिमिटेड की तरफ से साक्षात्कार लेने आए श्री जैद याज़दानी (वरिष्ठ कार्यकारी मानव संसाधन) और सुरेन्द्र कुमार (कार्यकारी मानव संसाधन) ने प्लेसमेंट कैंप में मौजूद लाभार्थियों को साक्षात्कार के दौरान नोएडा जीआईपी मॉल स्थित बिग बाजार और गुड़गांव स्थित सहारा मॉल में 60,000 रुपये से 70,000 रुपये वार्षिक वेतन की नौकरी पेश की गई।

रोजगार कैम्प में साक्षात्कार देते आरोह–एसजीएसवाई लाभार्थी

साक्षात्कार से पहले श्री ज़ैद ने कैंप में उपस्थित लाभार्थियों को इस क्षेत्र और इसके कार्य के बारे में बताते हुए रोजगार करने के तौर–तरीके, ग्राहक से विनम्रता से पेश आने और अपने व्यक्तित्व विकास में सुधार से जुड़ी जरूरी बातें बताई, जिससे ग्राहक आपकी बात से प्रभावित हो सके।

व्यक्तिगत साक्षात्कार के बाद 13 लाभार्थियों में कुल 8 सफल लाभार्थियों को नौकरी प्रस्ताव पत्र (जॉब ऑफर लेटर) दिए गए। श्री सुरेन्द्र कुमार ने आरोह फाउंडेशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था देश हित में बहुत ही सराहनीय काम कर रही है।

इस अंक में

- आरोह मुख्यालय पर रोजगार कैम्प का आयोजन
- कंप्यूटर प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाणपत्र बांटे गए
- पुरस्कार वितरण समारोह
- आरोह–एसजीएसवाई से प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को एनसीवीटी द्वारा प्रमाणपत्र दिया जाएगा
- हमीरपुर में रिटेल बैच की शुरूआत

रोजगार के लिए चयन

आरोह–एसजीएसवाई प्रशिक्षण केन्द्र टीकमगढ़ से मल्टी स्किल्स तकनीशियन में प्रशिक्षण लेने वाले 10 लाभार्थियों को नोएडा स्थित यू–फलेक्स कम्पनी में 6,500 रुपये मासिक वेतन की नौकरी दी गई है। लाभार्थियों को नौकरी के दौरान रहने के लिए नोएडा सेक्टर 73 में अस्थाई अवासीय व्यवस्था भी कराई गई है। जिससे लाभार्थियों को शुरूआत में नौकरी के दौरान किसी भी तरह की कोई समस्या ना हो। आरोह–एसजीएसवाई लाभार्थियों के कार्यकुशलता को देखकर कम्पनी सुपरवाईजर का कहना है कि– हमें बहुत खुशी है कि हम अपने यहां पहले से ही प्रशिक्षित लोगों को नौकरी दे रहे हैं।

कंप्यूटर प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाणपत्र बांटे गए

भारत सरकार के सौजन्य से चलाई जा रही स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (विशेष परियोजना) के तहत टीकमगढ़ में चलाए जा रहे आरोह–एसजीएसवाई कंप्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके पहले आईटीईएस और एमएसटी बैच के लाभार्थियों को 22 व 23 जून को प्रमाणपत्र वितरित किए गए इसके साथ ही अभिभावक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण प्राप्त बीपीएल बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ना था। कार्यशाला में अभिभावकों को रोजगार की महत्ता बताने और उसके प्रति बच्चों को जागरूक करना अभिभावक का दायित्व होना चाहिए, जिससे लाभार्थी नौकरी मिलने पर उसे पूरी निष्ठा से करे।

लाभार्थियों और अभिभावकों को आश्वासन देते हुए परियोजना समन्वयक हेमंत तंवर ने कहा कि संस्था लाभार्थियों को रोजगार देने के साथ ही आर्थिक सहायता भी प्रदान करेगी, जिससे लाभार्थियों को दिल्ली एवं एनसीआर में नौकरी करने में किसी भी तरह की कोई समस्या ना हो। भूतपूर्व लाभार्थियों के लिए संस्था द्वारा एक संगठन भी बनाया गया है, जिससे लाभार्थियों को बेहतर रोजगार प्राप्त करने के लिए उचित दिशानिर्देश भी मिल सके। इस कार्यक्रम में आरोह –एसजीएसवाई सेन्टर संचालक भरत कुमार लुकमान, सतीष दूबे, पंकज द्विवेदी मौजूद थे।

टीकमगढ़ में आईटीईएस प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र देते परियोजना समन्वयक हेमंत तंवर

आरोह फाउंडशन द्वारा संचालित स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (विशेष परियोजना) के तहत दिबियापुर स्थित आरोह फाउंडेशन क्षेत्रीय कार्यालय के जरिए जालौन जिले के बीपीएल लाभार्थियों को भी इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके पहले आइटीईसएबैच के 22 लाभार्थियों को 8 जून को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। इसके साथ प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण प्राप्त बीपीएल बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ना था, जिसके तहत लाभार्थियों के अभिभावकों को भी इस कार्यशाला में बुलाया गया था। जिससे वो अपने अपने बच्चों को दिल्ली और नोएडा जैसे शहरो में रोजगार करने के लिए प्रेरित करें।

आरोह–एसजीएसवाई (एसपी) दिबियापुर प्रशिक्षण केन्द्र के जरिए मुख्यतः जालौन जिले के कुथौंड़ ब्लॉक के बीपीएल लोगों को प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए स्थानीय ट्रेनिंग सेंटर की व्यवस्था कीई गई है। ट्रेनिंग सेंटर पर लाभार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए आधुनिक गुवत्ता के साथ 10 कंप्यूटर सिस्टम, एक साथ 75 लाभार्थियों के बैठने की व्यवस्था, अस्थाई तौर पर आवास सुविधा और कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण कार्य चलाया जा रहा है। लाभार्थियों को रोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु समय–समय पर योग्य और अनुभवी लोगों द्वारा करियर काउंसलिंग का भी आयोजन किया जाता है। जिससे लाभार्थी रोजगार करने के लिए तैयार हो सकें और अपना भविष्य उज्जवल बना सके।

आरोह–एसजीएसवाई प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र दिखाते लाभार्थी

पुरस्कार वितरण समारोह

16 जून– झांसी जिले के पारीछा में चलाए जा रहे आरोह–एसजीएसवाई (एसपी) प्रशिक्षण केन्द्र पर आईटीईएस प्रशिक्षण के 15 दिन पूरे होने पर लाभार्थियों के प्रशिक्षण की गुणवत्ता जांचने के लिए एक लिखित परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कंप्यूटर संबंधित प्रश्नो के उत्तर देने थे। इस परीक्षण में अधिक अंक पाने वाले लाभार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए पुरस्कार वितरित किया गया जिससे लाभार्थी प्रशिक्षण के दौरान पूरे मन से कंप्यूटर प्रशिक्षण हासिल करें। इस परीक्षण में कपिल पाठक 98 अंक प्राप्त करके पहले स्थान पर रहे, दीपिका कुमारी 89 अंक हासिल कर दूसरे स्थान पर वहीं उत्तम चंद ने 88 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में लाभार्थियों का मनोबल बढ़ाने और उनके अन्दर आत्मविश्वास भरने के लिए अभिभावकों को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में कुल 55 अभिभावक मौजूद थे।

पारीछा केन्द्र पर लाभार्थियों को पुरस्कार देते ग्राम प्रधान

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार, ग्राम प्रधान, लिधौरा ने प्रथम अंक हासिल करने वाले लाभार्थी को 100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया, जिससे वहां पर मौजूद सभी लाभार्थियों में प्रशिक्षण लेने का उत्साह पैदा हो और बेहतर ढंग से प्रशिक्षण लेकर रोजगार प्राप्त कर सकें।

हमीरपुर में रिटेल बैच की शुरूआत

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (विशेष परियोजना) के तहत बुंदेलखंड विकास के लिए हमीरपुर में 5 जून को बीपीएल लाभार्थियों के लिए रिटेल बैच की शुरूआत की गई। प्रारंभिक सर्वे के दौरान यह पाया गया कि हमीरपुर जिले में ज्यादातर युवा स्नातक स्तर की पढ़ाई कर चुके हैं। इनमें से काफी युवा बेरोजगार हैं और अपनी आय के लिए मजदूरी जैसे काम से जुड़े हुए हैं। गांव और आस–पास के क्षेत्रों में रोजगार के विकल्प ना होने से उनका उचित मार्गदर्शन नहीं हो पाता है जिस कारण ग्रामीण युवा अपना जीवन यापन करने के लिए दैनिक मजदूरी पर निर्भर रहते हैं।

वर्तमान स्थिति का ज़ायज़ा लेने के बाद आरोह फाउंडेशन नें हमीरपुर में आरोह–एसजीएसवाई का प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया है जहां पर रिटेल (खुदरा और बिक्री) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण केन्द्र पर 70 फीसदी युवाओं की रूचि रिटेल (खुदरा और बिक्री) के प्रशिक्षण में है। वर्तमान समय में केन्द्र पर 23 लाभार्थी इस कार्यक्रम के

हमीरपुर में रिटेल बैच को प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक

तहत निःशुल्क प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण केन्द्र पर योग्य और अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जहां पर आधुनिक तौर–तरीके से खुदरा और बिक्री की बारिकियों को समझाने का काम किया जा रहा है। इसके लिए पावर प्वाइंट प्रजंटेशन के साथ ऑडियो विजुअल्स के सहारे लाभार्थियों को रिटेल के क्षेत्र में पारंगत किया जा रहा है।

आरोह-एसजीएसवाई से प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को एनसीवीटी द्वारा प्रमाणपत्र दिया जाएगा

भारत सरकार के तरफ से बुंदेलखंड विकास के लिए चलाई जा रही स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (विशेष परियोजना) के तहत आरोह–एसजीएसवाई प्रशिक्षण केन्द्र से आईटीइएस, हॉस्पिटेलिटी, रिटेल, मल्टी स्किल तकनीशियन और अपैरल में प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) की तरफ से प्रमाणपत्र वितरित किया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को एक विशेष परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। जिसके बाद उत्तीर्ण लाभार्थियों को राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद का प्रमाणपत्र दिया जाएगा। यह प्रमाणपत्र लाभार्थियों के उज्जवल भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

पिता के अरमानों को किया पूरा

प्रदीप कुमार, लाभार्थी एसजीएसवाई, झांसी

जिंदगी में पैसे की अहमियत क्या होती है, यह कोई इनसे पूछे जिनके परिवार में कमाने वाला एक और खाने वाले 10 लोग हों। कुछ इसी तरह की सोच है जालौन जिले का निवासी प्रदीप कुमार की। प्रदीप के घर में 4 बहने हैं और 3 भाई हैं। प्रदीप अपने मां बाप का सबसे बड़ा लड़का है। प्रदीप के पिता मजदूरी करके अपने घर का खर्च चलाते है। प्रदीप अपने घर की गरीबी के कारण 12वीं के बाद आगे की पढ़ाई नहीं कर सका। प्रदीप अपने परिवार वालों के लिए एक सहारा बनना चाहता था। प्रदीप के पिता उसे पढ़ा–लिखा कर कुछ बनाना चाहते थे जिससे कि उनके घर की गरीबी दूर हो सके। लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने से वह प्रदीप को आगे नहीं पढ़ा सके। एकदिन जालौन जिले में स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना का कैम्प लगाया गया जहां पर प्रदीप के पिता ने आकर उसका पंजीकरण कराया। प्रदीप अगले दिन से नियमित आरोह–एसजीएसवाई केन्द्र पर प्रशिक्षण लेने आने लगा। प्रदीप अपने गांव से 88 किलोमीटर दूर दिबियापुर में रोजाना ट्रेन से यात्रा करके प्रशिक्षण लेने आता था। 2 माह के प्रशिक्षण के बाद प्रदीप की नौकरी नोएडा स्थित बिग बाजार लगी जिससे अब प्रदीप और उसके घर वाले प्रदीप की इस कामयाबी पर काफी खुश हैं। प्रदीप का इस बारे में कहना है कि – "जिंदगी में 7 हजार रुपये की कितनी अहमियत होती है यह सिर्फ मुझे ही पता है। आज मैं बहुत खुश हूं क्योंकि मैं अपने घर वालों का सहारा बन गया हूं।"

छैनू वर्मा, लाभार्थी एसजीएसवाई, झांसी

बुलंद हौंसले से आसान हुई मंजिल

हौंसले जब बुलंद हो तो मंजिले आसान हो जाती है। कुछ इसी तरह से मशीनों के बारे में जानकारी रखने वाला छैनू वर्मा झांसी जिले के पारीछा गांव में रहता है। छैनू के पिता रामेश्वर वर्मा अशिक्षित और बेरोजगार हैं। इसकी माता विमला देवी अपने बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए अपने मन में बहुत सारे सपने संजोए हुई थी लेकिन घर में रोजगार के श्रोत ना होने से और पति के नशे की आदत ने उनके इरादे को कमजोर कर दिया, लेकिन विमला देवी हिम्मत नहीं हारी और अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए वह खुद मजदूरी करने लगी। छैनू नें 12वीं कक्षा तक पढ़ाई किया लेकिन घर की आर्थिक स्थिति दिन–प्रतिदिन खराब होने की वजह से उसने आगे की पढ़ाई छोड़ दी। एक दिन उसके गांव में आरोह फाउंडेशन की तरफ से स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के लिए बीपीएल बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए जागरुकता कैम्प लगाया गया, जहां पर पारीछा स्थित आशीष मार्केट में चलाए जा रहे निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र के बारे में जानकारी दी। दूसरे दिन छैनू नें प्रशिक्षण केन्द्र पर जाकर अपना नामंकन आईटीईएस ट्रेड में करवाया जहां से अब उसे उम्मीद की एक नई किरण दिखाई देने लगी है। छैनू वर्मा का मानना है कि अब वह अपने मां के सपनों को साकार कर सकेगा और अपने घर की गरीबी भी दूर करेगा। छैनू वर्मा की ही तरह ऐसे कई परिवार के सपनों को साकार करते हुए उनकी जिंदगी में उम्मीद की एक नई किरण दिखाई है आरोह फाउंडेशन ने।

अपीलः

सभी ग्राम प्रधान, बीडीओ, डीआरडीए, और सम्माननीय अधिकारियों से निवेदन है कि इस कार्यक्रम के तहत आप हमारा पूरा सहयोग करें। जिससे हम इस योजना का लाभ सही और जरूरतमंद लोगों तक पहुँचा सकें। धन्यवाद!

Published by AROH Founadation | F 52, Sector 8, NOIDA 201301 | www.aroh.in | arohfoundation@gmail.com | 0120-3930191-94